समस्या — वर्तमान में यह नदी गंभीर प्रदूषण संकट से जूझ रही है

अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही परियट नदी

राकेश नगाइच

नवभारत,बेलखाडू़ (जबलपुर)। नदियां हमारे जीवन में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। वे न केवल पेयजल का प्रमुख स्रोत हैं बल्कि कृषि, आजीविका, जैव विविधता और प्राकृतिक संतुलन को बनाए रखने का आधार भी हैं। मध्यप्रदेश के जबलपुर क्षेत्र की परियट नदी भी इसी महत्व को समेटे हुए है, लेकिन वर्तमान में यह नदी गंभीर प्रदूषण संकट से जूझ रही है।

जानकारी अनुसार परियट नदी का उदगम कुंडम विकासखंड की ग्राम पंचायत बैरागी के पोषक ग्राम खाम्हा में स्थित एक कुंड से होता है। यहाँ से एक पतली जलधारा के रूप में शुरू होकर यह नदी विभिन्न ग्रामों को पेयजल उपलब्ध कराते हुए और कृषि भूमि को सिंचित करते हुए लगभग 55 किलोमीटर की यात्रा तय कर अंतत: हिरन नदी में मिल जाती है। लेकिन औद्योगिक विकास और अनियंत्रित शहरीकरण ने इस जीवनदायिनी नदी पर प्रदूषण का गहरा ग्रहण लगा दिया है। नगर निगम जबलपुर की सीमा से लगे ओमती नाला के पास खुलेआम कचरा डाला जा रहा है और बिना ट्रीटमेंट सीवेज सीधे नाले में छोड़ा जा रहा है। यही प्रदूषित पानी आगे चलकर परियट नदी में मिल रहा है,

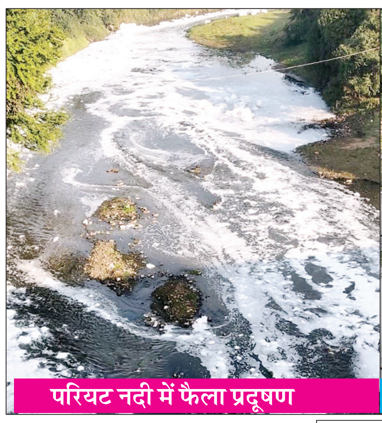
परियट नदी में फैला प्रदूषण

ओमती नाला जिसमें कचरे को लगातार डंप किया जा रहा

जिससे नदी का जल झाग और गंदगी से भर गया है। स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि नदी किनारे संचालित डेयरियों के अपशिष्ट और गोबर के कारण स्थानीय लोग परियट नदी को 'गोबर नदी' तक कहने लगे हैं। नदी की सतह पर दिखाई देने वाला सफेद झाग डिटर्जेंट और केमिकल युक्त प्रदूषण का संकेत है, जो जलीय जीवों, खेती और मानव स्वास्थ्य के लिए खतरनाक है।

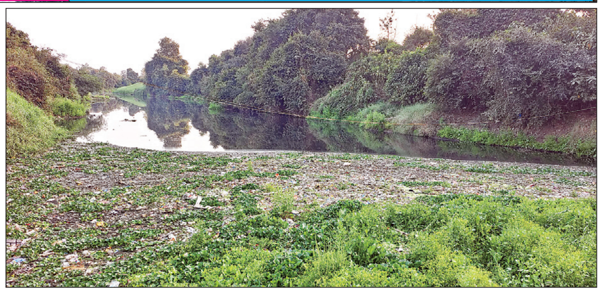

जलीय घास व जलकुंभी का कब्जा, प्रवाह हुआ बाधित

परियट नदी में इन दिनों जलीय घास और जलकुंभी का अत्यधिक फैलाव देखने को मिल रहा है। नदी के कई हिस्सों में जलकुंभी और कचरे की मोटी परत जम जाने से पानी का प्राकृतिक प्रवाह प्रभावित हो रहा है। इससे न केवल नदी का जल प्रदूषित हो रहा है बल्कि आसपास के पर्यावरण और जलीय जीवों पर भी खतरा मंडरा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि लंबे समय से सफाई नहीं होने के कारण नदी की स्थिति लगातार खराब होती जा रही है। यदि समय रहते प्रशासन द्वारा सफाई अभियान नहीं चलाया गया तो आने वाले समय में जलभराव, बदबू और बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है।

ये सहायक नदियां नर्मदा को कर रही प्रदूषित

एक ओर गंदी परियट नदी का पानी बहाव लेकर हिरन नदी में मिल रही जिससे हिरन नदी का पानी काला, प्रदूषित हो चला है वहीं दूसरी ओर हिरन नदी का गंदा पानी बहते हुए नर्मदा नदी में जाकर मिलता है जिससे नर्मदा का जल भी प्रदूषित होने का खतरा बढ़ जाता है।

नाला बना प्रदूषण का स्रोत, नदी में फैल रहा जहरीला झाग

नगर निगम सीमा से लगे ओमती नाला के पास खुलेआम कचरा फेंके जाने और बिना ट्रीटमेंट सीवर छोड़े जाने का मामला सामने आया है। यह नाला आगे जाकर सीधे परियट नदी में मिल रहा है, जिससे नदी का पानी तेजी से प्रदूषित हो रहा है। तस्वीरों में साफ दिखाई दे रहा है कि नाले के किनारों पर भारी मात्रा में प्लास्टिक और घरेलू कचरा डंप किया जा रहा है। यही कचरा और गंदा पानी नाले के जरिए नदी तक पहुँच रहा है, जिसके कारण परियट नदी की सतह पर सफेद झाग की मोटी परत बन गई है। विशेषज्ञों के अनुसार यह झाग डिटर्जेंट और केमिकल युक्त सीवेज का संकेत है। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में बदबू और मच्छरों की समस्या बढ़ गई है और नदी का पानी खेती व दैनिक उपयोग के लिए भी असुरक्षित होता जा रहा है। पर्यावरण प्रेमियों ने इसे गंभीर लापरवाही बताते हुए जबलपुर नगर निगम से तत्काल सफाई और सीवेज ट्रीटमेंट की मांग की है। यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो यह प्रदूषण आने वाले समय में पर्यावरण और जनस्वास्थ्य के लिए बड़ा संकट बन सकता है।

पहले रोजमर्रा की जिंदगी में शामिल थी यह नदी

परियट नदी के किनारे के गांव बघोंडा, महगवां, पौड़ी, पहाड़खेड़ा, निरंदपुर, रत्ना, पटेरा, मोहनिया, गंगाजली, नगना सहित अन्य ग्राम के निवासियों से बातचीत के उपरान्त यह जानकारी सामने आई कि पूर्व के वर्षों में गांव के लोग इस नदी में नहाने, गेहूं, कपड़े धुलने, मवेशियों को पानी पिलाने, खेतों की फसलों की सिंचाई जैसी रोजमर्रा की जिंदगी का अहम हिस्सा यह नदी रही। जबलपुर शहर के परियट स्थल से लेकर इन ग्रामीण क्षेत्रों की ओर आने वाली नदी का हिस्सा साल दर साल गंदा होता गया। डेयरियों, छोटे कारखानों की गंदगी की अनदेखी का परिणाम यह हुआ कि आज नदी का स्वच्छ पानी काला, बदबूदार व गंदगी से सराबोर है। एक ओर नदी को झाड़ी झांकाडी और जल कुंभी ने जकड़ लिया दूसरी ओर केवल नाम की ही नदी है,इस नदी का पानी किसी लायक नहीं रह गया।

इनका कहना है

सूरतलाई ओमती नाला पुल गंदगी से भरा हुआ है। शहर का कचरा, गंदगी नाले में मिल रही जिससे नाले का पानी दूषित है यही ओमती नाला का पानी परियट नदी में मिल रहा है।

अजीत सिंह ठाकुर, सूरतलाई

परियट नदी का पानी काला, दूषित और बदबूदार हो गया है। पहले गांव के लोग इसमें नहाने, गेहूं व कपड़े धोने सहित अन्य उपयोग करते थे। इस नदी को स्वच्छ बनाने का प्रयास होना चाहिए।

शिवम सिंह, निरंदपुर

शहर के नालों की गंदगी व दिशा परियट में मोड दी गई साथ ही ओमती एवं करौंदा नाला भी नदी में प्रदूषण बढ़ा रहे जिससे पानी अब इतना गंदा है कि ग्राम के जानवर भी बदबू के कारण पानी नहीं पीते हैं। बघोंडा पुल के नीचे जलकुंभी में फंसे गंदे कचरा की बदबू और उत्पन्न छोटे गंदे कीड़े हवा के रुख के साथ पूरे गांव में फैल जाते हैं।

शरद श्रीवास, बघोंडा

परियट नदी का पानी इतना ज्यादा अब गंदा हो गया है कि मनुष्य तो छोड़ो मवेशी उसकी गंदगी, बदबू के चलते पानी नहीं पीते। ये हमारे गांव के किनारे से गुजरी मुख्य नदी है, सरकार इसे स्वच्छ पानी और उपयोगिता लायक प्रयास करे ताकि नदी का अस्तित्व लौट सके।

श्रीराम तिवारी, महगवां

कई वर्षों पहले बचपन में हम परिवार के साथ दैनिक उपयोग के लिए पानी लेने जाया करते थे, लेकिन आज के समय पानी ओर नदी की हालत बहुत खराब है , नदी की सुरक्षा करना जरूरी है ।

कला बाई झारिया, बेलखाडू़

अधिवक्ता फोरम की आवश्यक बैठक आज

नवभारत, पनागर । अधिवक्ता फोरम पनागर द्वारा समस्त अधिवक्ता साथियों से महत्वपूर्ण अपील की गई है। जानकारी के अनुसार 26 अप्रैल, रविवार को तहसील स्थित अधिवक्ता भवन में सुबह 11 बजे एक आवश्यक बैठक आयोजित की गई है। इस बैठक में अधिवक्ता समाज से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की जाएगी। फोरम के अध्यक्ष सुरेंद्र सेन एवं सचिव के.के. कुशवाहा ने सभी साथियों से समय पर उपस्थित होकर बैठक को सफल बनाने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि सभी अधिवक्ताओं की उपस्थिति अत्यंत आवश्यक है, ताकि सामूहिक रूप से महत्वपूर्ण निर्णय लिए जा सकें और संगठन को मजबूत बनाया जा सके।

भीषण गर्मी में परेशान होते रहे यात्री, जीएम करते रहे निरीक्षण

नवभारत,छिंदवाड़ा। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक तरूण प्रकाश शुक्रवार को छिंदवाड़ा स्टेशन निरीक्षण करने पहुंचे। इस दौरान पातालकोट एक्सप्रेस को आउटर में खड़ा कर दिया गया। पातालकोट एक्सप्रेस तकरीबन एक घंटे तक खड़ी रही। ट्रेन में बैठे यात्री परेषान होते रहे। सबसे अधिक बुजुर्गों और बच्चों को भीषण गर्मी के कारण परेषान होते रहे। माताएं जैसे तैसे बच्चों को ट्रेन में लेकर धूमती रही। बच्चों के मन को बहलाती रही। पिता नीचे उतरकर बच्चों को लेकर धूमकर चुप कराते रहे। इधर सिवनी की ओर जाने वाले यात्री समय पर नहीं पहुंच पाए। इनमें ऐसे भी यात्री थे जिन्हें सिवनी से अन्य गंतव्यों पर जाना था। तकरीबन एक घंट के बाद 10.17 मिनट पर पातालकोट स्टेशन पहुंची रही तब कहीं जाकर यात्रियों ने राहत की सांस ली। हालांकि जीएम की ट्रेन अन्य स्टेशन पर खड़ा कर पतालकोट को लाया जा सकता था, लेकिन रेलवे विभाग ने ऐसा नहीं किया। जिसका खामियाजा यात्रियों को भुगतना पड़ा। दरअसल जीएम तरूण प्रकाश शुक्रवार को 9.10 मिनट पर छिंदवाड़ा स्टेशन पहुंचे। उन्होंने स्टेशन का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्टेशन की साफ सफाई व्यवस्था देखी और मुख्य द्वार का निरीक्षण के दौरान हाईटेंषन लाइन को लेकर फटकार भी लगाई थी।

मझौली में गौ सम्मान आह्वान अभियान 27 को

नवभारत,मझौली। नवभारत संवाददाता क्षेत्र में गौवंश की दुर्दशा को सुधारने और उन्हें समाज में उचित सम्मान दिलाने के उद्देश्य से 'गौ सम्मान आह्वान अभियान का बिगुल फूंक दिया गया है। आगामी 27 अप्रैल 2026 (सोमवार) को मझौली के इन्द्राना रोड स्थित बस स्टैंड पर दोपहर 3 बजे एक विशाल सभा और अभियान का आयोजन किया जा रहा है। अभियान से जुड़े गौसेवकों का कहना है कि यह आयोजन केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि गौ माता के प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट करने और उनकी सुरक्षा के लिए संकल्प लेने का एक मंच है। जिसमें युवाओं की भागीदारी सबसे अधिक देखी जा रही है। गौसेवकों ने क्षेत्र की धर्मप्रेमी जनता, किसानों और युवाओं से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम स्थल पर पहुँचें।

साहब तहसीलदार के आदमी जमीन खाली करवाने धमकी दे रहे, कोई नहीं सुन रहा फरियाद

▸आदिवासी पच्छी लाल पहुंचा मंगलवार को जनसुनवाई में

नवभारत,सिहोरा। सिहोरा अनुविभाग के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत गोरहा मिटौनी का है ग्रामीण आदिवासी ने आरोप लगाया है कि.ह.नं. 71 रा.नि. म. पोड़ा तहसील पोड़ा जिला जबलपुर में स्थित है जिसका खसरा नं. 1946/1, 1946/2, 1948/2 रकबा क्रमश: 0.80, 0.80, 0.5 है. कुल रकबा 2.58 हे. है। जो कि हम लोगों के नाम पर दर्ज है जिसे हमने पंजीकृत विक्रय पत्र के माध्यम से आदिवासी फूला बाई कोल एवं अभय कोल पिता श्री प्रयागी कोल आदिवासी से उनके वारिसानों की सहमति लेते

हुए पंजीकृत विक्रय पत्र दिनांक 08/09/2022 एवं कोमल कोल आदिवासी से पंजीकृत विक्रय दिनांक 08/09/2022 से खरीदा था तब से लेकर आज तक हम लोगों उक्त भूमि पर शांति पूर्वक खेती कर रहे है।

हमारा कब्जा है। इसके पूर्व में जिस आदिवासी से खरीदा था उनका कब्जा था, परन्तु कुछ वर्षो से ऋषभ जैन जो की पूर्व में तहसीलदार के पद पर पदस्थ थे उनके आदमी हम लोगों को निरंतर परेशान कर रहे है एवं कब्जा लेने का प्रयास कर रहे है। हमारे द्वारा एवं जिससे हमने पूर्व में खरीदा था उसके द्वारा कभी भी किसी व्यक्ति को उक्त जमीन रजिस्ट्री या किसी प्रकार का लेख नहीं किया है परन्तु ऋषभ जैन के आदमी हम लोगों डरा, धमका कर उक्त जमीन हड़पना चाहते है पच्ची लाल ने हार थकर जिला के मखिया को अपनी पीड़ा सुनाई और लिखित शिकायत कार्यालय कलेक्टर जबलपुर को मंगलवार जनसुनवाई में दी। एक साथ 10-15 लोग इकट्ठा होकर हम लोगों के पास आते है हम लोगों ने कई बार मौखिक रूप से राजस्व अधिकारियों एवं पुलिस थाना सिहोरा में रिपोर्ट की परन्तु आज दिनांक तक कोई सहायता नहीं गई.

इनका कहना है

इस मामले में मेरे को कोई जानकारी नहीं है

दिलीप हैं हनवत
तहसीलदार मझौली

आपके मध्यम से जानकारी प्राप्त हई है ।मामले की जांच करा कर निश्चित ही कार्यवाही की जावेगी।

तहसीलदार पोंडा
फरियादी की

सब जेल सिहोरा में स्वास्थ्य परीक्षण एवं विधिक सहायता शिविर आयोजित

नवभारत, सिहोरा। शनिवार को माननीय उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति जबलपुर के निर्देशापालन में माननीय न्यायालय प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश सिहोरा श्रीमान श्यामसुंदर झा, पैनल लॉयर एवं पैरालीगल वॉलंटियर्स की उपस्थिति में विधिक सहायता शिविर एवं विशेष स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया जिसमें मेडिकल कॉलेज जबलपुर के आठ विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम,जेल चिकित्सक डॉ आर.पी. त्रिपाठी एवं सिविल अस्पताल सिहोरा की लेब टेक्नीशियन टीम द्वारा जेल में निरुद्ध समस्त 93 बंदियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उपचार प्रदान किया गया एवं एचआईवी, सिफलिस व टीबी की जांच की गई उक्त शिविर में कोई भी बंदी किसी गंभीर बीमारी से ग्रसित नहीं पाया गया। इस विशेष स्वास्थ्य परीक्षण शिविर व विधिक सहायता शिविर के लिये जेलर दिलीप नायक द्वारा जेल में विशेष व्यवस्था की गई थी साथ ही जेलर द्वारा माननीय उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति जबलपुर, माननीय न्यायाधीश एवं चिकित्सकों का आभार व्यक्त किया ।शिविर में तहसील विधिक सेवा समिति सिहोरा का एवं जेल स्टॉफ उपस्थित रहा।

ग्राम पंचायत ने तत्वों के खिलाफ पुलिस को सौंपा ज्ञापन

बेलखाडू़, नवभारत। थाना कटंगी अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत गंज खमरिया के निवासियों ने गत दिवस ग्राम मेंअसामाजिक तत्वों द्वारा किए जा रहे उत्पात की खिलाफ पंचायत के नेतृत्व में सख्त कार्यवाही हेतु ज्ञापन सौंपा है ।ग्राम पंचायत गंज खमरिया के सरपंच निशीथ पटेल ने बताया कि ग्राम गंज खमरिया के पिता व उसके दो पुत्र जोकि पूर्व से आदतन अपराधी हैं और समूचे ग्राम में अपना खौफ चलाना चाहते थे। सरपंच ने आगे बताया कि इन्होंनेगांव की शासकीय नल जल योजना में तोड़ फोड़ की दूसरी ओर बर्रा मंदिर में पानी की पाइप लाइन को क्षतिग्रस्तकर दिया और अपने घर पर जबरन पानी कनेक्शन कर लिया। समझाइश देने पर गाली गलौच करते हुए जान सेमारने की धमकी देते हैं। इनके ऊपर पूर्व में आपराधिक प्रकरण पुलिस में दर्ज है। ग्राम पंचायत के नेतृत्व में कटंगीथाना में गांव की सौ महिलाओं ने स्थानीय तत्वों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की मांग को लेकर गत दिनों एकज्ञापन भी सौंपा है। कार्यवाही नहीं होने पर पंचायत वासी आंदोलन के लिए मजबूर होंगे।

अवैध वेंडरों और रेल यात्रियों के बीच खूनी संघर्ष

नवभारत,जबलपुर। शनिवार को कटनी से बीना की ओर जा रही मेमू ट्रेन में अवैध वेंडरो और यात्रियों के बीच जमकर विवाद हो गया। इस खूनी संघर्ष की घटना की जानकारी मिलने के बाद आरपीएफ और जीआरपी कटनी से रवाना हुई और रात तक मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी लेती रही। जानकारी के अनुसार कटनी से बीना जाने वाली मेमू ट्रेन संख्या 61620 में कटनी से रीठी स्टेशन के बीच किसी बात को लेकर दमोह के यात्रियों और सालीया के अवैध वेंडरों के बीच विवाद हो गया। इस दौरान वेंडरों ने मारपीट करते हुए किसी धारदार वस्तु से एक-दो लोगों पर हमला कर दिया। बवाल के बीच ट्रेन शाम 7:30 बजे रीठी के बाद बकलेहटा स्टेशन पहुंची, जहां दमोह के कुछ युवक उतरे और मेमू के इंजन में घुस गए। इसके चलते ट्रेन चालक ने ट्रेन रोक दी और कंट्रोल को सूचना दी। इस दौरान वेंडरों और यात्रियों के बीच पथराव भी हुआ।

मौके पर पहुंचा पुलिस बल

सूत्रो की माने तो घटना की जानकारी लगते ही रीठी थाना प्रभारी बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस के पहुंचते ही असामाजिक तत्व मौके से भाग गए। घटना में दो लोग घायल हुए, जिन्हें पुलिस ने डायल 112 से रीठी अस्पताल पहुंचाया। करीब एक घंटे की देरी के बाद मेमू ट्रेन को रात 8:30 बजे आगे रवाना किया गया। खबर लिखे जाने तक आरपीएफ और जीआरपी की टीम कटनी से मौके पर पहुंचकर घटना की जांच कर रही थी।

न्यायाधीश की विदाई और स्वागत समारोह आयोजित

नवभारत, सिहोरा। सिविल न्यायालय सिहोरा मे पदस्थ न्यायाधीश श्री सुधांशु सिन्हा जी एवं न्यायाधीश श्रीमति उर्वशी यादव जी का सिहोरा न्यायालय से स्थानांतरण हो जाने के कारण उनका विदाई समारोह एवं सिहोरा न्यायालय मे स्थानांतरण होकर आये नवागत न्यायाधीश श्री संतोष कोल साहब, न्यायाधीश विशाल रिछारिया जी,न्यायाधीश श्रीमति रुपा मिश्रा जी एवं न्यायाधीश श्रीमति हिमांशी भारद्वाज का अधिवक्ता संघ अध्यक्ष रविदीप सिंह बैस उपाध्यक्ष मुकेश मिश्रा, सचिव आनंद मणि त्रिपाठी,सहसचिव आशीष ब्योहार, ग्रन्थपाल आलोक बयौहार, कोषाध्यक्ष सुनील पटेल, कार्यकारिणी सदस्य आनंद पटेल,अभय नारायण मिश्रा,उत्तम सोनी,साकेत पिडिहा और रविशंकर पटेल राकेश मणि त्रिपाठी ने सभी सम्मानीय न्यायाधीशगण का पुषपहार से स्वागत कर सम्मान पत्र प्रदान किया और सभी नवागत न्यायाधीश को अध्यक्ष रविदीप सिंह बैस द्वारा सभी अधिवक्तागणो को परिचय करवाया उसके उपरांत न्यायाधीशो ने अपना परिचय दिया और बार और बैंच की महत्ता पर प्रकाश डाला और अंत मे अध्यक्ष रविदीप सिंह बैस द्वारा कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम मे सभी ए.डी.पी.ओ.और बडी संख्या अधिवक्तागण मौजूद थे।

जागरूकता — जागरूकता रैली के जरिए दिया पोषण का संदेश

आंगनबाड़ी केंद्र गांधीग्राम में 'पोषण मेला' का आयोजन

नवभारत, सिहोरा। महिला एवं बाल विकास विभाग के निर्देशानुसार, ग्राम पंचायत गांधीग्राम स्थित आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 4 में 'पोषण मेला' का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सामुदायिक स्तर पर स्वास्थ्य और पोषण के प्रति जागरूकता फैलाना रहा, जिसमें स्थानीय महिलाओं और किशोरी बालिकाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

सामुदायिक गतिविधियों के माध्यम से पोषण पर चर्चा

कार्यक्रम के दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती नीता सिंह बघेल ने उपस्थित महिलाओं, किशोरी बालिकाओं और ग्रामीणों को पोषण के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। चर्चा के दौरान संतुलित आहार, बच्चों के शारीरिक विकास, और स्वच्छता के मानकों पर विशेष जोर दिया गया। श्रीमती बघेल ने बताया कि सही पोषण न केवल बच्चों के लिए, बल्कि गर्भवती महिलाओं और किशोरियों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए भी अनिवार्य है।

पोषण मेले के मुख्य आकर्षण

परामर्श सत्र: महिलाओं को स्थानीय स्तर पर उपलब्ध पौष्टिक खाद्य पदार्थों के उपयोग के बारे में बताया गया।

शपथ ग्रहण: उपस्थित ग्रामीणों ने अपने परिवार और परिवेश को स्वस्थ रखने की शपथ ली।

सहभागिता: कार्यक्रम में ग्राम के गणमान्य नागरिकों और आंगनबाड़ी सहायिकाओं का विशेष सहयोग रहा। इस आयोजन ने ग्रामीणों के बीच स्वास्थ्य के प्रति एक नई चेतना जगाने का कार्य किया है। स्थानीय स्तर पर ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन से कुपोषण के खिलाफ चल रही मुहिम को काफी बल मिल रहा है।

जागरूकता रैली का आयोजन

बैठक के पश्चात केंद्र से एक जागरूकता रैली निकाली गई। इस रैली के माध्यम से ग्रामीणों को 'कुपोषण मुक्त समाज' बनाने का संकल्प दिलाया गया। रैली में बच्चे और महिलाएं हाथों में स्लोगन लिखी तख्तियां लेकर चल रहे थे, जिन पर पोषण संबंधी प्रेरक संदेश लिखे हुए थे।

जनगणना 2027 द्वितीय चरण के लिए जनगणना कार्य शुरू

नवभारत, सिहोरा। मध्य प्रदेश के दिशा निर्देशों अनुसार प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण वार्ड क्रमांक 11 प्रशिक्षण सामुदायिक भवन नगरीय क्षेत्र सिहोरा में मुख्य नगर पालिका अधिकारी अधिकारी जनगणना श्रीमती जय श्री चौहान के मार्गदर्शन में फील्ड ट्रेनर संदीप कुमार तिवारी एवं अखिलेश माझी द्वारा द्वितीय चरण समापन किया गया चार्ज अधिकारी प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों कि उपस्थिति में नगर के समस्त परिवारों से अपील कि गई कि आप 30 अप्रेल तकऑनलाइन के माध्यम से स्व गणना करनें में सहयोग करें प्रशिक्षण की कार्य व्यवस्था में सुशील वर्मा, जनगणना प्रभारी के साथ रवि, संतोष तिवारी, गगन, पटेल, राहुल ठाकुर, संदीप, अनंत नामदेव अनिकेत तिवारी सुखचैन दहिया कीर्ति बर्मन हिमांशु द्वारा नगर पालिका द्वारा की गई कार्य व्यवस्था की सभी ने सराहना कि गई।